प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2 (Model Question Paper 2)

अर्धवार्षिक परीक्षा (Half-Yearly Examination) - कक्षा 9 2026-27

Hindi (Course A) - हिंदी (पाठ्यक्रम अ)

समय: 3 घंटे (3 Hours) **पूर्णांक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।
2. खंड क: अपठित बोध (14 अंक)।
3. खंड ख: व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)।
4. खंड ग: पाठ्यपुस्तक 'गंगा' (गद्य एवं काव्य खंड) पर आधारित (30 अंक)।
5. खंड घ: रचनात्मक लेखन (20 अंक)।
6. सभी खंड अनिवार्य हैं। यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

www.educationobserver.com

खंड 'क' - अपठित बोध (14 अंक)

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 अंक)

आज का युग डिजिटल युग कहलाता है, जहाँ कंप्यूटर और इंटरनेट के बिना जीवन की कल्पना करना कठिन हो गया है। डिजिटल साक्षरता का अर्थ है – कंप्यूटर, स्मार्टफोन तथा इंटरनेट का सही और सुरक्षित ढंग से उपयोग करने की क्षमता। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बहुत-से लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से अनभिज्ञ हैं, जिस कारण वे सरकारी योजनाओं, ऑनलाइन शिक्षा तथा बैंकिंग सुविधाओं का लाभ पूरी तरह नहीं उठा पाते। दूसरी ओर, बड़े शहरों में बच्चे इंटरनेट का उपयोग तो खूब करते हैं, परंतु सही जानकारी और भ्रामक सूचना (फेक न्यूज़) में अंतर करना नहीं जानते, जिससे वे कई बार गलत सूचनाओं के शिकार हो जाते हैं। विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता से संबंधित विषय पढ़ाना समय की माँग बन गया है, ताकि विद्यार्थी इंटरनेट का उपयोग जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करना सीख सकें। साथ ही उन्हें साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की गोपनीयता तथा ऑनलाइन शिष्टाचार के विषय में भी जागरूक करना आवश्यक है। यदि हम सही दिशा में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दें, तो तकनीक हमारे लिए वरदान सिद्ध हो सकती है।

(i) डिजिटल साक्षरता का क्या अर्थ है? *[1]*

उत्तर: कंप्यूटर, स्मार्टफोन तथा इंटरनेट का सही और सुरक्षित ढंग से उपयोग करने की क्षमता।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों के लोग डिजिटल साक्षरता के अभाव में किन सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पाते? *[2]*

उत्तर: सरकारी योजनाओं, ऑनलाइन शिक्षा तथा बैंकिंग सुविधाओं का (कोई दो/सभी)।

(iii) बड़े शहरों के बच्चों के सामने इंटरनेट उपयोग में कौन-सी समस्या बताई गई है? *[2]*

उत्तर: वे सही जानकारी और भ्रामक सूचना (फेक न्यूज़) में अंतर करना नहीं जानते, जिससे गलत सूचनाओं के शिकार हो जाते हैं।

(iv) विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता पढ़ाना क्यों आवश्यक माना गया है, और इसके लिए विद्यार्थियों को किन विषयों की जानकारी दी जानी चाहिए? *[2]*

उत्तर: ताकि विद्यार्थी इंटरनेट का उपयोग जिम्मेदारी और सतर्कता से करना सीख सकें; उन्हें साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की गोपनीयता और ऑनलाइन शिष्टाचार के विषय में जागरूक किया जाना चाहिए।

प्रश्न 2: निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 अंक)

स्वच्छ रहे जब गाँव-शहर, स्वस्थ रहेगा हर इंसान।
कचरा फेंको ढंग से, बने स्वच्छ हिंदुस्तान।।
घर-घर में हो शौचालय, मिटे गंदगी की पहचान।
मिलकर सब संकल्प करें, खिलें स्वच्छता के फूल महान।।
नदी-नाले साफ रखें हम, कूड़ा न फैलाएँ इधर-उधर।
स्वच्छ भारत का सपना अपना, साकार करें मिलकर सब पर।।

(i) कविता के अनुसार गाँव-शहर के स्वच्छ रहने पर कौन स्वस्थ रहता है? *[1]*

उत्तर: हर इंसान।

(ii) कविता में स्वच्छता बनाए रखने के कोई दो उपाय बताए गए हैं, उन्हें लिखिए। *[2]*

उत्तर: कचरा ढंग से फेंकना और घर-घर में शौचालय होना (कोई दो)।

(iii) 'नदी-नाले साफ रखें हम' – इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *[2]*

उत्तर: आशय है कि हमें नदी-नालों में कूड़ा-कचरा न फेंककर उन्हें स्वच्छ बनाए रखना चाहिए, ताकि जल स्रोत प्रदूषित न हों।

(iv) 'स्वच्छ भारत का सपना' साकार करने के लिए कविता के आधार पर हमें क्या करना चाहिए? *[2]*

उत्तर: हमें मिलकर स्वच्छता का संकल्प लेना चाहिए, कूड़ा इधर-उधर न फैलाकर उचित स्थान पर फेंकना चाहिए और नदी-नालों तथा अपने आस-पास को स्वच्छ रखना चाहिए।

खंड 'ख' - व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्रश्न 3: निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। (4 अंक)

(i) आँखें खुलना *[1]*

उत्तर: अर्थ: सच्चाई का पता चलना। वाक्य: परीक्षा परिणाम देखकर राम की आँखें खुल गईं।

(ii) नाकों चने चबवाना *[1]*

उत्तर: अर्थ: बहुत कठिनाई में डालना। वाक्य: गणित के कठिन प्रश्नों ने विद्यार्थियों को नाकों चने चबवा दिए।

(iii) दाँतों तले उँगली दबाना *[1]*

www.educationobserver.com

उत्तर: अर्थ: बहुत आश्चर्यचकित होना। वाक्य: उसकी बुद्धिमानी देखकर सब दाँतों तले उँगली दबा बैठे।

(iv) आसमान से बातें करना *[1]*

उत्तर: अर्थ: बहुत ऊँचा होना/अत्यंत उन्नति करना। वाक्य: आजकल पेट्रोल के दाम आसमान से बातें कर रहे हैं।

प्रश्न 4: निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए। (4 अंक)

(i) राजपुत्र *[1]*

उत्तर: विग्रह: राजा का पुत्र; समास: तत्पुरुष समास।

(ii) यथाशक्ति *[1]*

उत्तर: विग्रह: शक्ति के अनुसार; समास: अव्ययीभाव समास।

(iii) पंचवटी *[1]*

उत्तर: विग्रह: पाँच वटों का समूह; समास: द्विगु समास।

(iv) नीलकंठ *[1]*

उत्तर: विग्रह: नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव; समास: बहुव्रीहि समास।

प्रश्न 5: निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। (4 अंक)

(i) विद्यालय *[1]*

उत्तर: विद्या + आलय (दीर्घ स्वर संधि)।

(ii) सूर्योदय *[1]*

उत्तर: सूर्य + उदय (गुण स्वर संधि)।

(iii) मनोहर *[1]*

उत्तर: मनः + हर (विसर्ग संधि)।

(iv) सज्जन *[1]*

उत्तर: सत् + जन (व्यंजन संधि)।

प्रश्न 6: रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए। (4 अंक)

(i) वह बहुत ईमानदार है। (रेखांकित शब्द: बहुत) *[1]*

उत्तर: क्रिया-विशेषण (परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण) – 'ईमानदार' विशेषण की मात्रा बता रहा है।

(ii) गीता स्कूल जाती है। (रेखांकित शब्द: गीता) *[1]*

उत्तर: संज्ञा (व्यक्तिवाचक संज्ञा), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(iii) परंतु वह नहीं आया। (रेखांकित शब्द: परंतु) *[1]*

उत्तर: समुच्चयबोधक अव्यय (विरोधसूचक योजक) – दो वाक्यों को जोड़ रहा है।

www.educationobserver.com

(iv) यह पुस्तक तुम्हारी है। (रेखांकित शब्द: तुम्हारी) *[1]*

उत्तर: सर्वनाम (पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष), स्त्रीलिंग, एकवचन – स्वामित्व दर्शा रहा है।

खंड 'ग' - पाठ्यपुस्तक 'गंगा' (गद्य एवं काव्य खंड) आधारित (30 अंक)

प्रश्न 7: 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 अंक)

संदर्भ: सीता स्वयंवर में शिवजी के धनुष के टूटने पर परशुराम क्रोधित होकर सभा में पहुँचते हैं और अपने क्रोध का कारण पूछते हुए राम-लक्ष्मण को फटकारते हैं। लक्ष्मण उनके क्रोध भरे वचनों का उत्तर वीरतापूर्ण और व्यंग्यपूर्ण शब्दों में देते हैं, जबकि राम बड़ी विनम्रता और संयम से परिस्थिति को सँभालते हैं। अंत में राम के विनम्र वचनों से परशुराम का क्रोध शांत हो जाता है।

(i) परशुराम सभा में किस अस्त्र को लेकर क्रोधित होकर पहुँचे थे? *[1]*

(a) तलवार

(b) फरसा (परशु)

(c) गदा

(d) भाला

उत्तर: (b) – फरसा (परशु)।

(ii) परशुराम मुख्यतः किस बात से क्रोधित होकर सभा में आए थे? *[1]*

(a) सीता के विवाह का

(b) शिवजी के धनुष के टूटने का

(c) जनक के निमंत्रण का

(d) विश्वामित्र की उपस्थिति का

उत्तर: (b) – शिवजी के धनुष के टूटने का।

(iii) परशुराम के क्रोध भरे वचनों का उत्तर वीरतापूर्ण ढंग से किसने दिया? *[1]*

(a) राम

(b) लक्ष्मण

(c) जनक

(d) सीता

उत्तर: (b) – लक्ष्मण।

(iv) राम ने परशुराम के प्रति किस प्रकार का व्यवहार अपनाया? *[1]*

(a) क्रोधपूर्ण

(b) विनम्र और संयमित

(c) उपेक्षापूर्ण

(d) भयभीत

www.educationobserver.com

उत्तर: (b) – विनम्र और संयमित।

(v) इस प्रसंग से हमें मुख्यतः क्या सीख मिलती है? *[1]*

(a) क्रोध ही सर्वश्रेष्ठ उपाय है

(b) विनम्रता और संयम से बड़े-से-बड़े क्रोध को भी शांत किया जा सकता है

(c) हमेशा चुप रहना चाहिए

(d) वाद-विवाद से सदैव बचना चाहिए

उत्तर: (b) – विनम्रता और संयम से बड़े-से-बड़े क्रोध को भी शांत किया जा सकता है।

प्रश्न 9: 'दो बैलों की कथा' पाठ पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 अंक)

संदर्भ: 'दो बैलों की कथा' में हीरा और मोती नामक दो बैल एक-दूसरे के प्रति गहरी मित्रता और स्वाभिमान का परिचय देते हैं। कठोर व्यवहार सहने के बावजूद वे साहस के साथ बंधन से मुक्त होकर अपने घर लौट आते हैं। यह कहानी पशुओं के माध्यम से मानवीय गुणों – मित्रता, साहस और स्वाभिमान – को दर्शाती है।

(i) 'दो बैलों की कथा' किस विधा की रचना है? *[1]*

(a) कहानी

(b) कविता

(c) नाटक

(d) निबंध

उत्तर: (a) – कहानी।

(ii) हीरा और मोती के बीच किस गुण का सबसे अधिक परिचय मिलता है? *[1]*

(a) स्वार्थ

(b) गहरी मित्रता

(c) ईर्ष्या

(d) भय

उत्तर: (b) – गहरी मित्रता।

(iii) बैल किस उपाय से गया के घर से मुक्त हुए? *[1]*

(a) किसी ने रस्सी काट दी

(b) उन्होंने स्वयं रस्सी तुड़ाई

(c) मालिक ने उन्हें छोड़ दिया

(d) वे बीमार पड़ गए

उत्तर: (b) – उन्होंने स्वयं रस्सी तुड़ाई।

(iv) कठिनाइयों के बावजूद हीरा और मोती ने क्या नहीं छोड़ा? *[1]*

(a) अपना भोजन

(b) एक-दूसरे का साथ

www.educationobserver.com

(c) अपना बाड़ा

(d) मालिक का घर

उत्तर: (b) – एक-दूसरे का साथ।

(v) यह कहानी पशु-पात्रों के माध्यम से मुख्यतः किन मानवीय मूल्यों को उजागर करती है? *[1]*

(a) केवल भय और आज्ञाकारिता

(b) मित्रता, साहस और स्वाभिमान

(c) धन-लोलुपता

(d) उदासीनता

उत्तर: (b) – मित्रता, साहस और स्वाभिमान।

प्रश्न 8: 'संवादहीनता' पाठ पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (6 अंक, प्रत्येक 2 अंक का)

संदर्भ: 'संवादहीनता' पाठ आपसी बातचीत की कमी से परिवारों और पीढ़ियों के बीच उत्पन्न होने वाली दूरी तथा गलतफहमियों को उजागर करता है और यह चिंतन प्रस्तुत करता है कि आधुनिक व्यस्त जीवन-शैली में संवाद की कमी किस प्रकार रिश्तों को प्रभावित कर रही है।

(i) 'संवादहीनता' शीर्षक का शाब्दिक अर्थ क्या है? *[2]*

उत्तर: संवादहीनता का शाब्दिक अर्थ है – आपसी बातचीत/संवाद का अभाव या कमी।

(ii) आधुनिक व्यस्त जीवन-शैली संवादहीनता की समस्या को किस प्रकार बढ़ावा देती है? *[2]*

उत्तर: व्यस्त जीवन-शैली में लोगों के पास परिवार व अपनों के साथ बैठकर बात करने का समय कम होता जा रहा है, जिससे आपसी संवाद घटता है और दूरियाँ तथा गलतफहमियाँ बढ़ती हैं।

(iii) संवादहीनता के कारण परिवार और समाज पर पड़ने वाले प्रभावों पर अपने विचार लिखिए। *[2]*

उत्तर: संवादहीनता के कारण परिवार के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ती है, आपसी गलतफहमियाँ जन्म लेती हैं, तथा रिश्तों में अपनापन और विश्वास कम होने लगता है, जिससे सामाजिक ताना-बाना भी कमज़ोर पड़ता है।

प्रश्न 10: 'रैदास के पद' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (6 अंक, प्रत्येक 2 अंक का)

(i) रैदास किस भक्ति-धारा से संबंधित कवि माने जाते हैं? *[2]*

उत्तर: रैदास निर्गुण भक्ति-धारा (संत काव्य-धारा) से संबंधित कवि माने जाते हैं, जो कबीर की परंपरा के निकट है।

(ii) रैदास के पदों में भक्त और भगवान के संबंध को किस प्रकार दर्शाया गया है? *[2]*

उत्तर: रैदास के पदों में भक्त और भगवान के संबंध को अत्यंत आत्मीय और अभिन्न बताया गया है, मानो दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे हों – एक सच्चे, हार्दिक जुड़ाव के रूप में।

(iii) रैदास के पद आज के समाज के लिए किस प्रकार प्रासंगिक हैं? अपने विचार लिखिए। *[2]*

उत्तर: रैदास के पद आज भी प्रासंगिक हैं क्योंकि वे जाति, वर्ग और ऊँच-नीच के भेदभाव को नकारकर समानता तथा सच्ची भक्ति व मानवता का संदेश देते हैं, जो वर्तमान समाज के लिए अत्यंत आवश्यक शिक्षा है।

www.educationobserver.com

प्रश्न 11: 'क्या लिखूँ?' पाठ पर आधारित निम्नलिखित दोनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (8 अंक, प्रत्येक 4 अंक का)

संदर्भ: 'क्या लिखूँ?' शीर्षक से यह स्पष्ट होता है कि यह रचना एक लेखक के मन में उठने वाली उस उलझन को व्यक्त करती है जो उसे किसी विषय पर कलम उठाने से पहले घेर लेती है – अर्थात उपयुक्त विषय और दृष्टिकोण के चुनाव की समस्या।

(i) शीर्षक 'क्या लिखूँ?' के आधार पर बताइए कि लेखक के मन में किस प्रकार की उधेड़बुन चल रही होगी। *[4]*

उत्तर: शीर्षक के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है कि लेखक के मन में यह उधेड़बुन चल रही होगी कि किस विषय को चुना जाए जो पाठकों के लिए सार्थक और रोचक हो, तथा उसे किस दृष्टिकोण और शैली में प्रस्तुत किया जाए।

(ii) एक लेखक के लिए लेखन-सामग्री (विषय) चुनने में किन-किन बातों का ध्यान रखना ज़रूरी होता है? अपने विचार लिखिए। *[4]*

उत्तर: लेखक को यह ध्यान रखना चाहिए कि विषय पाठकों के जीवन से जुड़ा और सार्थक हो, उसकी अपनी अनुभूति व समझ से मेल खाता हो, समाज के लिए उपयोगी संदेश देता हो, और उसे स्पष्ट व प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया जा सके।

खंड 'घ' - रचनात्मक लेखन (20 अंक)

प्रश्न 12: अनुच्छेद लेखन (6 अंक)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: (i) पुस्तकों का महत्व (ii) यदि मैं प्रधानाचार्य होता/होती (iii) अनुशासन का महत्व

मूल्यांकन बिंदु: विषय-वस्तु – 2 अंक; भाषा-शैली एवं प्रवाह – 2 अंक; प्रस्तुतीकरण एवं मौलिकता – 2 अंक।

प्रश्न 13: पत्र लेखन (5 अंक)

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को खेल-मैदान के लिए आवश्यक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

मूल्यांकन बिंदु: प्रारूप (प्रेषक का पता, दिनांक, विषय, संबोधन, समापन) – 1 अंक; विषय-वस्तु – 2 अंक; भाषा – 2 अंक।

प्रश्न 14: संवाद लेखन (5 अंक)

स्वच्छता के महत्व पर दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को लगभग 100 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

मूल्यांकन बिंदु: प्रारूप (संवाद-शैली) – 1 अंक; विषय-वस्तु – 2 अंक; भाषा-शैली – 2 अंक।

प्रश्न 15: सूचना लेखन (4 अंक)

अपने विद्यालय में आयोजित होने वाली अंतर-कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता की सूचना देते हुए लगभग 40-50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

मूल्यांकन बिंदु: प्रारूप एवं आकर्षकता – 2 अंक; आवश्यक जानकारी (दिनांक, समय, स्थान) – 2 अंक।

www.educationobserver.com